



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 240]

No. 240]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 28, 2007/ज्येष्ठ 7, 1929

NEW DELHI, MONDAY, MAY 28, 2007/JYAISTHA 7, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मई, 2007

सं. 54/2007-सीमा शुल्क (गै.टै.)

[सा.का.नि. 393(अ).—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 156 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सीमा शुल्क (मामलों के निपटान) नियमावली, 1999 का अधिक्रम करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई या करने से लोप की गई बातों को छोड़कर, केन्द्र सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाती है, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ - (1) इस नियमों को सीमा शुल्क (मामलों का निपटान) नियमावली, 2007 कहा जाये।

(2) यह 1 जून, 2007 को तथा इसी तारीख से लागू होगी।

2. परिभाषाएँ - इन नियमों में, जब तक कि अन्यथा संदर्भ आवश्यक न हो;

(क) "अधिनियम" का तात्पर्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) से है।

(ख) "प्रपत्र एस सी (सी)-1" से तात्पर्य इस नियमावली के परिशिष्ट में दिये गये प्रपत्र से है।

(ग) "धारा" का तात्पर्य उक्त अधिनियम की धारा से है।

(घ) इसमें प्रयुक्त और परिभाषित नहीं किये गये लेकिन उक्त अधिनियम में परिभाषित किये गये शब्दों और अभिव्यक्तियों का क्रमशः वही तात्पर्य होगा जो उक्त अधिनियम में इसके लिए दिया गया है।

3. आवेदन का प्रपत्र और तरीका:- धारा 127ख की उपधारा (1) के अंतर्गत कोई भी आवेदन प्रपत्र एस सी (सी)1 में किया जायेगा।

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित आवेदन, उसमें निहित सत्यापन और सभी सुसंगत दस्तावेज, जो ऐसे आवेदन के साथ संलग्न है, हस्ताक्षरित होंगे:-

(क) किसी आवेदक के मामले में, स्वयं आवेदक द्वारा अथवा जहां ऐसा आवेदक भारत में उपस्थित नहीं है, तो या तो स्वयं आवेदक संबंधित द्वारा अथवा उसकी ओर से विधिवत प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा और जहां ऐसा व्यक्ति अवयस्क है अथवा अपना कार्य करने में मानसिक तौर पर अक्षम है तो उसके अभिभावक द्वारा अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो उसकी ओर से कार्य करने में सक्षम है।

(ख) अविभाजित हिन्दू परिवार के मामलों में, ऐसे परिवार के कर्त्ता द्वारा और, जहाँ कर्त्ता भारत से अनुपस्थित है अथवा वह अपना कार्य करने में मानसिक रूप से अक्षम है तो ऐसे परिवार के किसी अन्य वयस्क सदस्य द्वारा ;

(ग) किसी कम्पनी या स्थानीय प्राधिकरण के मामले में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा

(घ) किसी फर्म के मामले में उसके किसी भी भागीदार द्वारा जो अवयस्क न हो ;

(ङ.) किसी संघ के मामले में इसके किसी सदस्य या प्रधान अधिकारी द्वारा; और

(च) किसी अन्य व्यक्ति के मामले में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने में सक्षम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा;

(3) एस सी (सी)-1 प्रपत्र में भरे जाने वाले प्रत्येक आवेदन पत्र को पांच प्रतियों में भरा जायेगा और उसके साथ एक हजार रुपये का शुल्क जमा भी करना होगा ।

(4) धारा 127 ख की उपधारा (1) के अंतर्गत आवेदक द्वारा स्वीकार की गई सीमा शुल्क की अतिरिक्त राशि उस पर देय ब्याज सहित टी आर-6 के चालान के अंतर्गत पांच प्रतियों में किसी भी प्राधिकृत बैंक में उसके द्वारा जमा किया जाना चाहिए ।

4. मामलों के निपटान के लिये आवेदन में सूचना का प्रकटीकरण:- निपटान आयोग, उक्त धारा 127ग की उपधारा (3) के अंतर्गत सीमा शुल्क आयुक्त से रिपोर्ट मांगते समय, नियम 3 के उपनियम (1) में संदर्भित आवेदन पत्र की प्रति के साथ-साथ आवेदन पत्र के साथ संलग्न सभी अनुबंधों, और विवरण तथा अन्य दस्तावेज जो ऐसे अनुबंधों के साथ लगे हों, अग्रेषित करेगा ।

5. सम्पत्ति की अनंतिम कुर्की का तरीका:- (1) जहां निपटान आयोग, धारा 127घ की उपधारा (1) के अंतर्गत सम्पत्ति की कुर्की का आदेश देता है, वहाँ यह इस आदेश की एक प्रति उस सीमा शुल्क आयुक्त के पास भेजेगा जिसके क्षेत्रधिकार में वह स्थान आता है जिसमें आवेदन कर्त्ता की चल या अचल सम्पत्ति विद्यमान है या वह निवास करता है अथवा कारोबार करता है अथवा उसका बैंक खाता है।

(2) उपनियम (1) में संदर्भित आदेश को प्राप्त करने पर, आयुक्त अपने किसी भी अधीनस्थ अधिकारी को, जो सहायक सीमा शुल्क आयुक्त अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त से नीचे रैंक का न हो, आवेदन कर्त्ता की ऐसी सम्पत्ति को कुर्क करने के लिए कदम उठाने के लिए प्राधिकृत कर सकता है।

(3) उपनियम (2) के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी कुर्क की गई सम्पत्ति की सूची तैयार करेगा और इसमें विनिर्दिष्ट करेगा-अचल सम्पत्ति के मामले में ऐसी सम्पत्ति का वर्णन जो कि इसकी पहचान के लिये पर्याप्त है और चल सम्पत्ति के मामले में वह स्थान जहां ऐसी सम्पत्ति विद्यमान अथवा रखी गई है, और इसकी एक प्रति उसी आवेदनकर्त्ता को या उस व्यक्ति को सौपेगा जिसके कब्जे से ऐसी सम्पत्ति कुर्क की गयी है।

(4) उपनियम (2) के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी ऐसी तैयार की गई माल की सूची एक प्रति प्रत्येक सीमा शुल्क आयुक्त और समझौता आयोग को भेजेगा।

6. रिपोर्टों की प्रतियों के लिए फीस- कोई व्यक्ति जो धारा 127छ के अंतर्गत किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा की गई रिपोर्टों की प्रतियां प्राप्त करने के लिए आवेदन करता है, को प्रत्येक रिपोर्ट अथवा उसके भाग के लिए पांच रुपये प्रति पृष्ठ फीस अदा करनी होगी।

[फा. सं. 275/59/2006-सीएक्स 8ए-पार्ट]

विजय कौशिक, अवर सचिव

[सीमा शुल्क (मामलों का निपटान) नियमावली, 2007 के नियम 3 को देखें]

सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समझौता आयोग.....पीठ.....
के सक्षम

धारा 127ख के अंतर्गत किसी मामले के निपटान के लिए आवेदन पत्र का फार्म

1	आवेदन का पूरा नाम
2	(i) आवेदक का डा का पता (ii) आवेदक का ई-मेल का पता यदि कोई हो
3	(i) पत्राचार का पता (ii) दूरभाष सं.
4	(i) स्थाई खाता सं. (ii) आई ई सी सं. (iii) स्थिति: (टिप्पणी 2 को देखें)
5	(i) आयुक्त, सीमा शुल्क जो आवेदक पर अधिकार क्षेत्र रखता हो (ii) आयुक्त, सीमा शुल्क जो आवेदक पर अधिकार क्षेत्र रखता हो, का डाक का पता
6	आवेदक को जारी कारण बताओ नोटिस का ब्यौरा (क) कारण बताओ नोटिस सं. और तारीख (ख) नोटिस के अनुसार विवाद की अवधि (ग) नोटिस के अनुसार मांगा गया शुल्क (रु. में) (घ) वह विवाद जिसमें संबंध में समझौते के लिए आवेदन किया गया है। (ङ) वह न्यायनिर्णयन प्राधिकारी जिसके समक्ष नोटिस का न्यायनिर्णयन लंबित है।
7	(i) क्या माल के सम्पूर्ण ब्यौरे और संदत सीमा शुल्क को दर्शाते हुए प्रविष्टि बिल (बिलों) अथवा शिपिंग बिल (बिलों), जैसा भी मामला हो, में दर्ज किया गया था/किये गये थे।

	(ii) क्या विवादित माल को प्रविष्टि बिल (बिलों) अथवा शिपिंग बिल (बिलों) में दर्ज किया गया था। यदि हाँ तो तत्संबंधी ब्यौरा। टिप्पणी: संगत प्रविष्टि बिल (बिलों) शिपिंग बिल (बिलों) की स्वयं सत्यापित प्रतियां संलग्न की जानी है।
8	जब्त की तारीख, यदि कोई हो।
9	निपटान किये जाने वाले मामले के संक्षिप्त तथ्य और मुद्दों का ब्यौरा:
10	(क) निपटान के लिए यथा संदेय स्वीकृत की गई शुल्क की राशि (रु. में) (ख) स्वीकार की गई उक्त शुल्क पर ब्याज (रु. में)
11	उपर्युक्त (10) के अनुसार ब्याज सहित आवेदक द्वारा स्वीकृत की गई शुल्क के भुगतान का ब्यौरा (टी आर-6 चालान सं. और तारीख)
12	क्या दिनांक 31 मई, 2007 को अथवा उससे पहले समझौता आयोग की किसी पीठ के समक्ष आवेदक द्वारा समझौते के लिए कोई आवेदन दायर किया गया है, यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा: (क) आवेदन पत्र सं. और तारीख (ख) समझौते के लिए स्वीकार की गई राशि (ग) समझौते के अंतिम आदेश के ब्यौरे (घ) क्या आदेश के संदर्भ में समझौता राशि अदा कर दी गई है।
13	क्या दिनांक 1 जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् समझौता आयोग की किसी पीठ के समक्ष आवेदक द्वारा समझौते हेतु कोई आवेदन (वर्तमान आवेदन को छोड़कर) दायर किया गया है। यदि हां तो निम्नलिखित सूचना दी जाये: (क) आवेदन पत्र सं. और तारीख (ख) कारण बताओं नोटिस सं. और तारीख (ग) शुल्क की स्वीकृत राशि (घ) अंतर्ग्रस्त मुद्दा (ङ.) आवेदन पत्र की स्थिति, यदि निर्णय हो गया है, (i) समझौता आदेश सं. और तारीख (ii) समझौता राशि के जमा का ब्यौरा
14	यदि दिनांक 1 जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् आवेदक द्वारा दायर अन्य कोई आवेदन समझौता आयोग के समक्ष लंबित है तो क्या समझौते हेतु वर्तमान आवेदन में उस मुद्दे के लिए समान मुद्दे शामिल है जिसके संबंध में आज की तारीख में समझौता आयोग के समक्ष अन्य आवेदन लंबित हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....निवासी.....सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि मैं यह आवेदन.....के रूप में मेरे हैसियत के भीतर कर रहा हूँ और मैं इसे सत्यापित करने में समक्ष हूँ।

कि इस आवेदन में उल्लिखित विषय सही है और यह कि मैंने समझौता आयोग के सामने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अध्याय-XIV के प्रावधानों के उल्लंघन में समझौता के लिए कोई आवेदन दाखिल नहीं किया है और यह भी मामले के तथ्यों से संबंधित कोई सूचना छुपाई नहीं गई है। आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों के अनुबंध मूल प्रतियों की छाया प्रतियाँ हैं और वित्तीय कारोबार को दर्शाने वाली सारणियाँ सही हैं और मेरे द्वारा विधिवत प्रमाणित हैं।

कि जिस मामले के लिए समझौता की मांग की गई है उसके संबंध में कोई कार्यवाही आयुक्त (अपील), सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायधिकरण अथवा न्यायालयों के समक्ष, जैसा मामला हो, लम्बित नहीं है अथवा उक्त अपीलीय प्राधिकरण द्वारा न्याय-निर्णयन प्राधिकारी को मामला सुपुर्द नहीं किया गया है।

आज.....(स्थान के नाम का उल्लेख करें) पर.....(महीने और वर्ष का उल्लेख करें) केदिन सत्यापित

अभिसाङ्गी

नोट:

1. आवेदन शुल्क प्राधिकृत बैंक की शाखा अथवा भारतीय स्टेट बैंक की शाखा अथवा भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा किया जाना चाहिए और चालान की तीन प्रतियाँ आवेदन के साथ समझौता आयोग को भेजी जानी चाहिए। समझौता आयोग चेक, ड्राफ्ट, हुंडियाँ अथवा अन्य परक्राम्य लिखत स्वीकार नहीं करेगा।
2. व्यक्ति, हिन्दू अविभाजित परिवार, कम्पनी, फर्म, व्यक्ति संघ, आदि का उल्लेख करें।
3. देय के रूप में स्वीकृत सीमा शुल्क और आवेदन की मद सं. 10 में उल्लिखित उस पर ब्याज की अतिरिक्त राशि से संबंधित ब्यौरा इस आवेदन के साथ संलग्न अनुबंध में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
4. समझौता के लिए देय के रूप में स्वीकृत शुल्क और मद 10 में उल्लिखित उस पर ब्याज को दर्शाने वाला टी आर-6 चालान की मूल प्रति आवेदक के पास होनी चाहिए, दूसरी प्रति सीमा शुल्क अधिकारी, जिनका आवेदक के ऊपर क्षेत्राधिकार है को भेजी जानी चाहिए, तीसरी प्रति क्षेत्राधिकारी मुख्य लेखा अधिकारी, सीमा शुल्क आयुक्तालय को भेजी जानी चाहिए, चौथी प्रति बैंक के पास रखी जानी चाहिए और पांचवीं प्रति इस आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न होनी चाहिए।

2560 GI/07-2

अनुबंध

धारा 127ख(1) के अंतर्गत दिए गए आवेदन की मद सं. 9 के संदर्भ में ब्यौरे को दर्शाने वाला विवरण

1. ऐसी सूचना का विवरण जिसे प्रविष्टि बिल/शिपिंग बिल में सही-सही घोषित नहीं किया गया है;
2. जारी किए गए कारण बताओं नोटिस में मांग किए गए कुल शुल्क में से स्वीकृत शुल्क देयता और तरीका जिसके द्वारा ऐसी शुल्क देयता प्राप्त की गई;
3. आवेदक द्वारा मांग की गई समझौता शर्तों सहित समझौता के मुद्दों से संबंधित तथ्यों की पूर्ण और सही-सही घोषणा।

आवेदक का हस्ताक्षर

स्थान

दिनांक:

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th May, 2007

No. 54/2007-CUSTOMS (N.T.)

G.S.R. 393(E).—In exercise of the powers conferred by section 156 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Customs (Settlement of Cases) Rules, 1999, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely: -

1. Short title and commencement. - (1) These rules may be called the Customs (Settlement of Cases) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on and from the 1st day of June, 2007.

2. Definitions. - In these rules, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Act" means the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- (b) "Form SC(C)-1" means the form appended to these rules;
- (c) 'section' means section of the Act;
- (d) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Form and manner of application. - (1) An application under sub-section (1) of section 127B shall be made in Form SC(C)-1.

(2) The application referred to in sub-rule (1), the verification contained therein and all relevant documents accompanying such application shall be signed, -

- (a) in case of an applicant, by the applicant himself or where the applicant is absent from India, then, either by the applicant himself or by any other person duly authorized by him in this behalf and where the applicant is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;

- (b) in the case of a Hindu undivided family, by *Karta* of such family and, where the *Karta* is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
- (c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof;
- (d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.

(3) Every application in Form SC(C)-1 shall be filed in quintuplicate and shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.

(4) The additional amount of customs duty accepted by the applicant under sub-section (1) of section 127 B, along with interest due thereon, shall be deposited by him in any of the authorised banks under TR-6 challan in quintuplicate.

4. Disclosure of information in the application for settlement of cases. — The Settlement Commission shall, while calling for a report from the Commissioner of Customs under sub-section (3) of section 127C, forward a copy of the application referred to in sub-rule (1) of rule 3 along with the annexure to the application and the statements and other documents accompanying such annexure.

5. Manner of Provisional Attachment of Property. - (1) Where the Settlement Commission orders attachment of property under sub-section (1) of section 127D, it shall send a copy of such order to the Commissioner of Customs or the Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the place in which the applicant owns any movable or immovable property or resides or carries on his business or has his bank account.

(2) On receipt of the order referred to in sub-rule (1), the Commissioner may authorise any officer subordinate to him and not below the rank of an Assistant Commissioner of Customs or an Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, to take steps to attach such property of the applicant.

(3) The officer authorised under sub-rule (2) shall prepare an inventory of the property attached and specify in it, in the case of the immovable property the description of such property sufficient to identify it and in case of the movable property, the place where such property is lodged or kept and shall hand over a copy of the same to the applicant or to the person from whose charge the property is attached.

(4) The officer authorised under sub-rule (2) shall send a copy of the inventory so prepared each to the Commissioner of Customs or the Commissioner of Central Excise, as the case may be, and also to the Settlement Commission.

6. Fee for copies of reports. - Any person who makes an application under section 127G, for obtaining copies of reports made by any Officer of Customs, shall pay a fee of five rupees per page of each report or part thereof.

[F. No. 275/59/2006-CX8A-Pt.]

VIJAY KAUSHIK, Under Secy.

Form SC (C)-1

[See rule 3 of the Customs (Settlement of Cases) Rules, 2007]

Before the Customs and Central Excise Settlement Commission

Bench at _____

Form of application for settlement of a case under section 127B

1.	Full Name of the applicant:
2.	(i) Postal address of the applicant :
	(ii) E-mail address of the applicant, if any
3.	(i) Address for communication:
	(ii) Telephone No.
4.	(i) Permanent Account No :
	(ii) IEC No :
	(iii) Status : [see note 2]
5.	(i) Commissioner of Customs having jurisdiction over the applicant :
	(ii) Postal address of the Commissioner of Customs having jurisdiction over the applicant:
6.	Details of the Show Cause Notice issued to the applicant
	(a) Show Cause Notice No. and date
	(b) Period of dispute in the notice
	(c) Duty demanded in the notice (in Rs.)
	(d) Dispute in connection with which the application for settlement is made.
	(e) Adjudicating authority before whom the notice is pending adjudication.
7.	(i) Whether Bill(s) of Entry or Shipping Bill(s), as the case may be, showing full particulars of the goods and customs duty paid was/were filed.
	(ii) Whether the disputed goods were entered in the Bill(s) of Entry or Shipping Bill(s). If so, details thereof.
	Note: Self-attested copies of relevant Bill(s) of Entry /Shipping Bill(s) to be enclosed.
8.	Date of seizure, if any.
9.	Brief facts of the case and particulars of the issues to be settled.
10.	(a) Amount of duty accepted as payable for settlement. (in Rs.)
	(b) Interest on the said admitted duty. (in Rs.)

11.	Payment details of the duty accepted, by the applicant along with interest as at (10) above. (TR-6 challan No. and date).
12.	Whether any application for settlement has been filed by the applicant before any Bench of Settlement Commission on or before 31 st May, 2007, if so, details thereof: (a) Application No. and date (b) Amount admitted for settlement (c) Details of final order of the Commission (d) Whether settlement amount has been paid in terms of the order
13.	Whether any application for settlement (other than the present one) has been filed by the applicant before any Bench of Settlement Commission on or after 1 st June, 2007. If yes, the following information may be provided: (a) Application No. and date (b) Show cause notice No. and date (c) Amount of admitted duty (d) Issue involved (e) Status of the application, if decided, then (i) Settlement order No. and date (ii) Details of deposit of settlement amount
14.	If any other application, filed by the applicant, on or after 1 st June, 2007, is pending before the Settlement Commission, then whether the present application for settlement involves issue identical to the issue in respect of which the other application is pending before the Settlement Commission as on date.

Signature of the applicant

Verification

Ison/daughter/wife of.....residing at..... do solemnly declare that I am making this application in my capacity as and I am competent to verify it.

That the contents of this application are true and that I have not filed any application for settlement in contravention of the provisions of the Chapter XIVA of the Customs Act, 1962 before the Settlement Commission and also that no information relevant to the facts of the case has been suppressed. Annexures of the documents accompanying the application are true copies of the originals and the tables showing financial transactions are correct and are duly attested by me.

That no proceeding in respect of the case for which settlement is being sought, is pending before Commissioner (Appeal), Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal or the courts, as the case may be, or has been remanded back to the adjudicating authority by the said appellate authorities.

Verified today the.....day of..... (mention the month and year) at(mention the place)

2560 GE/07-3

Deponent

Note:

1. The application fee should be credited in a branch of the authorized bank or a branch of the State Bank of India or a branch of Reserve Bank of India and the triplicate copy of the challan sent to the Settlement Commission with the application. The Settlement Commission will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
2. Please state whether individual, Hindu undivided family, company, firm, an association of persons, etc.
3. Details of the additional amount of Customs duty accepted as payable and interest thereon referred to in item 10 of the application shall be furnished in annexure to this application.
4. Original copy of the TR-6 challan indicating amount of duty accepted as payable for settlement and interest thereon, referred to in item 10, be retained by the applicant, duplicate be endorsed to Customs Officer having jurisdiction over the applicant, triplicate be endorsed to the jurisdictional Chief Accounts Officer of the Customs Commissionerate, quadruplicate be retained by the bank and quintuplicate copy be enclosed with this application form.

Annexure

Statement containing particulars, referred to in item 9 of the application made under section 127B(1).

1. Details of information which has not been correctly declared in the Bill of Entry/ Shipping Bill ;
2. Duty liability accepted to be payable out of the total duty demanded in the show cause notice issued and the manner in which such duty liability has been derived;
3. Full and true disclosure of the facts regarding the issues to be settled, including the terms of settlement sought for by the applicant.

Signature of the applicant

Place :

Date :

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मई, 2007

सं. 28/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 394(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मामलों के निपटान) नियमावली, 2001 का अधिक्रम करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई या करने से लोप की गई बातों को छोड़कर, केन्द्र सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाती है, अर्थात्:-

1. **संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ** - (1) इस नियमों को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मामलों का निपटान) नियमावली, 2007 कहा जाये ।

(2) यह 1 जून, 2007 को तथा इसी तारीख से लागू होगी ।

2. परिभाषाएँ - इन नियमों में, जब तक कि अन्यथा संदर्भ आवश्यक न हो;

- (क) "अधिनियम" का तात्पर्य केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) से है।
- (ख) "प्रपत्र एस सी (ई)-1" से तात्पर्य इस नियमावली के परिशिष्ट में दिये गये प्रपत्र से है।
- (ग) "धारा" का तात्पर्य उक्त अधिनियम की धारा से है।
- (घ) इसमें प्रयुक्त और परिभाषित नहीं किये गये लेकिन उक्त अधिनियम में परिभाषित किये गये शब्दों और अभिव्यक्तियों का क्रमशः वही तात्पर्य होगा जो उक्त अधिनियम में इसके लिए दिया गया है।

3. आवेदन का प्रपत्र और तरीका:- धारा 32 (ड.) की उपधारा (1) के अंतर्गत कोई भी आवेदन प्रपत्र एस सी (ई) 1 में किया जायेगा।

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित आवेदन, उसमें निहित सत्यापन और सभी सुसंगत दस्तावेज, जो ऐसे आवेदन के साथ संलग्न हैं, हस्ताक्षरित होंगे:-

- (क) किसी व्यक्ति के मामले में, स्वयं व्यक्ति द्वारा अथवा जहां ऐसा व्यक्ति भारत में उपस्थित नहीं है, संबंधित व्यक्ति द्वारा अथवा उसकी ओर से विधिवत प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा और जहां ऐसा व्यक्ति अवयस्क है अथवा अपना कार्य करने में मानसिक तौर पर अक्षम है तो उसके अभिभावक द्वारा अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जो उसकी ओर से कार्य करने में सक्षम है।
- (ख) अविभाजित हिन्दू परिवार के मामलों में, ऐसे परिवार के कर्त्ता द्वारा और, जहाँ कर्त्ता भारत से अनुपस्थित है अथवा वह अपना कार्य करने में मानसिक रूप से अक्षम है तो ऐसे परिवार के किसी अन्य वयस्क सदस्य द्वारा ;
- (ग) किसी कम्पनी या स्थानीय प्राधिकरण के मामले में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा
- (घ) किसी फर्म के मामले में उसके किसी भी भागीदार द्वारा जो अवयस्क न हो ;
- (ड.) किसी संघ के मामले में इसके किसी सदस्य या प्रधान अधिकारी द्वारा; और
- (च) किसी अन्य व्यक्ति के मामले में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने में सक्षम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा;

(3) एस सी (ई)-1 प्रपत्र में भरे जाने वाले प्रत्येक आवेदन पत्र को पांच प्रतियों में भरा जायेगा और उसके साथ एक हजार रुपये का शुल्क जमा भी करना होगा।

(4) धारा 32ड की उपधारा (1) के अंतर्गत आवेदक द्वारा स्वीकार की गई उत्पाद शुल्क की अतिरिक्त राशि उस पर देय ब्याज सहित टी आर-6 चालान के अंतर्गत पांच प्रतियों में किसी भी प्राधिकृत बैंक में उसके द्वारा जमा किया जाना चाहिए।

4. मामलों के निपटान के लिये आवेदन में सूचना का प्रकटीकरण:- निपटान आयोग, उक्त अधिनियम की धारा 32 च की उपधारा (3) के अंतर्गत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त से रिपोर्ट मांगते समय, नियम 2 के उपनियम (1) में संदर्भित आवेदन पत्र की प्रति के साथ-साथ आवेदन पत्र के साथ संलग्न सभी अनुबंधों, और विवरण तथा अन्य दस्तावेज जो ऐसे अनुबंधों के साथ लगे हों, अग्रेषित करेगा।

5. सम्पत्ति की अनंतिम कुर्की का तरीका:- (1) जहां निपटान आयोग, धारा 32 छ की उपधारा (1) के अंतर्गत सम्पत्ति की कुर्की का आदेश देता है, वहाँ यह इस आदेश की एक प्रति उस केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त के पास भेजेगा जिसके क्षेत्रधिकार में वह स्थान आता है जिसमें आवेदन कर्ता की चल या अचल सम्पत्ति विद्यमान है या वह निवास करता है अथवा कारोबार करता है अथवा उसका बैंक खाता है।

(2) उपनियम (1) में संदर्भित आदेश को प्राप्त करने पर, आयुक्त अपने किसी भी अधीनस्थ अधिकारी को, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त से नीचे रैंक का न हो, आवेदन कर्ता की ऐसी सम्पत्ति को कुर्क करने के लिए कदम उठाने के लिए प्राधिकृत कर सकता है।

(3) उपनियम (2) के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी कुर्क की गई सम्पत्ति की सूची तैयार करेगा और इसमें विनिर्दिष्ट करेगा-अचल सम्पत्ति के मामले में ऐसी सम्पत्ति का वर्णन जो कि इसकी पहचान के लिये पर्याप्त है और चल सम्पत्ति के मामले में वह स्थान जहां ऐसी सम्पत्ति विद्यमान अथवा रखी गई है, और इसकी एक प्रति उसी आवेदनकर्ता को या उस व्यक्ति को सौपेगा जिसके कब्जे से ऐसी सम्पत्ति कुर्क की गयी है।

(4) उपनियम (2) के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी ऐसी तैयार की गई माल की सूची एक प्रति प्रत्येक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त और समझौता आयोग को भेजेगा।

6. रिपोर्टों की प्रतियों के लिए फीस- कोई व्यक्ति जो धारा 32 के अंतर्गत किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा की गई रिपोर्टों की प्रतियां प्राप्त करने के लिए आवेदन करता है, को प्रत्येक रिपोर्ट अथवा उसके भाग के लिए पांच रुपये प्रति पृष्ठ फीस अदा करनी होगी।

[फा. सं. 275/59/2006-सीएक्स 8ए-पार्ट]

विजय कौशिक, अवर सचिव

[केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मामलों का निपटान) नियमावली, 2007 के नियम 3 को देखें]

सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समझौता आयोग.....पीठ.....
के सक्षम

धारा 32 ड के अंतर्गत किसी मामले के निपटान के लिए आवेदन पत्र का फार्म

1	आवेदन का पूरा नाम
2	(i) आवेदक का डा का पता (ii) आवेदक का ई-मेल का पता यदि कोई हो
3	(i) पत्राचार का पता (ii) दूरभाष सं.
4	(i) स्थाई खाता सं. (ii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पंजीकरण सं. (iii) स्थिति: (टिप्पणी 2 को देखें)
5	(i) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जो आवेदक पर अधिकार क्षेत्र रखता हो (ii) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जो आवेदक पर अधिकार क्षेत्र रखता हो, का डाक का पता
6	आवेदक को जारी कारण बताओं नोटिस का ब्यौरा (क) कारण बताओ नोटिस सं. और तारीख (ख) नोटिस के अनुसार विवाद की अवधि

	(ग) नोटिस के अनुसार मांगा गया शुल्क (रु. में) (घ) वह विवाद जिसमें संबंध में समझौते के लिए आवेदन किया गया है। (ङ.) वह न्यायनिर्णयन प्राधिकारी जिसके समक्ष नोटिस का न्यायनिर्णयन लंबित है।
7	(i) क्या विवादित अवधि के लिए उत्पादन, निकासी और संदत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को दर्शाने वाली मासिक विवरणी दायर की गई थी; (ii) क्या विवादित माल को दैनिक स्टॉक रजिस्टर में दर्ज किया गया था। यदि हाँ तो तत्संबंधी ब्यौरा। टिप्पणी: संगत मासिक विवरणी और दैनिक स्टॉक खाता/रजिस्टर की स्वयं सत्यापित प्रतियां संलग्न की जानी है।
8	जब्त की तारीख, यदि कोई हो।
9	निपटान किये जाने वाले मामले के संक्षिप्त तथ्य और मुद्दों का ब्यौरा:
10	(क) निपटान के लिए यथा संदेय स्वीकृत की गई शुल्क की राशि (रु. में) (ख) स्वीकार की गई उक्त शुल्क पर ब्याज (रु. में)
11	उपर्युक्त (10) के अनुसार ब्याज सहित आवेदक द्वारा स्वीकृत की गई शुल्क के भुगतान का ब्यौरा (टी आर-6 चालान सं. और तारीख)
12	क्या दिनांक 31 मई, 2007 को अथवा उससे पहले समझौता आयोग की किसी पीठ के समक्ष आवेदक द्वारा समझौते के लिए कोई आवेदन दायर किया गया है, यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा: (क) आवेदन पत्र सं. और तारीख (ख) समझौते के लिए स्वीकार की गई राशि (ग) समझौते के अंतिम आदेश के ब्यौरे (घ) क्या आदेश के संदर्भ में समझौता राशि अदा कर दी गई है।
13	क्या दिनांक 1 जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् समझौता आयोग की किसी पीठ के समक्ष आवेदक द्वारा समझौते हेतु कोई आवेदन (वर्तमान आवेदन को छोड़कर) दायर किया गया है। यदि हां तो निम्नलिखित सूचना दी जाये: (क) आवेदन पत्र सं. और तारीख (ख) कारण बताओं नोटिस सं. और तारीख (ग) शुल्क की स्वीकृत राशि (घ) अंतर्ग्रस्त मुद्दा (ङ.) आवेदन पत्र की स्थिति, यदि निर्णय हो गया है, (i) समझौता आदेश सं. और तारीख (ii) समझौता राशि के जमा का ब्यौरा
14	यदि दिनांक 1 जून, 2007 को अथवा उसके पश्चात् आवेदक द्वारा दायर अन्य कोई आवेदन समझौता आयोग के समक्ष लंबित है तो क्या समझौते हेतु वर्तमान आवेदन में उस मुद्दे के लिए समान मुद्दे शामिल है जिसके संबंध में आज की तारीख में समझौता आयोग के समक्ष अन्य आवेदन लंबित हैं।

2560 GI/07-4

आवेदक के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....निवासी.....सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि मैं यह आवेदन.....के रूप में मेरे हैसियत के भीतर कर रहा हूँ और मैं इसे सत्यापित करने में समक्ष हूँ।

कि इस आवेदन में उल्लिखित विषय सही है और यह कि मैंने समझौता आयोग के सामने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के अध्याय-V के प्रावधानों के उल्लंघन में समझौता के लिए कोई आवेदन दाखिल नहीं किया है और यह भी मामले के तथ्यों से संबंधित कोई सूचना छुपाई नहीं गई है। आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों के अनुबंध मूल प्रतियों की छाया प्रतियां हैं और वित्तीय कारोबार को दर्शाने वाली सारणियां सही हैं और मेरे द्वारा विधिवत प्रमाणित हैं।

कि जिस मामले के लिए समझौता की मांग की गई है उसके संबंध में कोई कार्यवाही आयुक्त (अपील), सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायधिकरण अथवा न्यायालयों के समक्ष, जैसा मामला हो, लम्बित नहीं है अथवा उक्त अपीलीय प्राधिकरण द्वारा न्याय-निर्णयण प्राधिकारी को मामला सुपुर्द नहीं किया गया है।

आज.....(स्थान के नाम का उल्लेख करें) पर.....(महीने और वर्ष का उल्लेख करें) केदिन सत्यापित

अभिसाक्षी

नोट:

1. आवेदन शुल्क प्राधिकृत बैंक की शाखा अथवा भारतीय स्टेट बैंक की शाखा अथवा भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा किया जाना चाहिए और चालान की तीन प्रतियां आवेदन के साथ समझौता आयोग को भेजी जानी चाहिए। समझौता आयोग चेक, ड्राफ्ट, हुडियाँ अथवा अन्य परक्राम्य लिखत स्वीकार नहीं करेगा।
2. व्यक्ति, हिन्दू अविभाजित परिवार, कम्पनी, फर्म, व्यक्ति संघ, आदि का उल्लेख करें।
3. देय के रूप में स्वीकृत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और आवेदन की मद सं. 10 में उल्लिखित उस पर ब्याज की अतिरिक्त राशि से संबंधित ब्यौरा इस आवेदन के साथ संलग्न अनुबंध में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
4. समझौता के लिए देय के रूप में स्वीकृत शुल्क और मद 10 में उल्लिखित उस पर ब्याज को दर्शाने वाला टी आर-6 चालान की मूल प्रति आवेदक के पास होनी चाहिए, दूसरी प्रति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी, जिनका आवेदक के ऊपर क्षेत्राधिकार है को भेजी जानी चाहिए, तीसरी प्रति क्षेत्राधिकारी मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्तालय को भेजी जानी चाहिए, चौथी प्रति बैंक के पास रखी जानी चाहिए और पांचवीं प्रति इस आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न होनी चाहिए।

अनुबंध

धारा 32 ड.(1) के अंतर्गत दिए गए आवेदन की मद सं.9 के संदर्भ में ब्यौरे को दर्शाने वाला विवरण

1. ऐसी सूचना का विवरण जिसे मासिक विवरणी में सही-सही घोषित नहीं किया गया है;
2. जारी किए गए कारण बताओ नोटिस में मांग किए गए कुल शुल्क में से स्वीकृत शुल्क देयता और तरीका जिसके द्वारा ऐसी शुल्क देयता प्राप्त की गई;
3. आवेदक द्वारा मांग की गई समझौता शर्तों सहित समझौता के मुद्दों से संबंधित तथ्यों की पूर्ण और सही-सही घोषणा ।

आवेदक का हस्ताक्षर

स्थान

दिनांक:

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th May, 2007

No. 28/2007-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 394(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (I of 1944) and in supersession of the Central Excise (Settlement of Cases) Rules, 2001, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement. - (1) These rules may be called the Central Excise (Settlement of Cases) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on and from the 1st day of June, 2007.

2. Definitions.- In these rules, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Act" means the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);
- (b) "Form SC(E)-1" means the form appended to these rules;
- (c) 'section' means section of the Act ;
- (d) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act .

3. Form and manner of Application. - (1) An application under sub-section (1) of section 32E shall be made in the Form SC(E)-1.

(2) The application referred to in sub-rule (1), the verification contained therein and all relevant documents accompanying such application shall be signed, -

- (a) in the case of an individual, by the individual himself or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorized by him in this behalf; and where the individual is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- (b) in the case of a Hindu undivided family, by the *Karta* of such family and, where the *Karta* is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;

- (c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof;
- (d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) in case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.

(3) Every application in Form SC(E)-1 shall be filed in quintuplicate and shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.

(4) The additional amount of excise duty accepted by the applicant under sub-section (1) of section 32E, along with interest due thereon, shall be deposited by him in any of the authorized bank under TR-6 challan in quintuplicate.

4. Disclosure of information in the application for settlement of cases. - The Settlement Commission shall, while calling for a report from the Commissioner of Central Excise under sub-section (3) of section 32F, forward a copy of the application referred to in sub-rule (1) of rule 2 along with the annexure to the application and the statements and other documents accompanying such annexure.

5. Manner of Provisional Attachment of Property. - (1) Where the Settlement Commission orders attachment of property under sub-section (1) of section 32G, it shall send a copy of such order to the Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the place in which the applicant owns any movable or immovable property or resides or carries on his business or has his bank account.

(2) On receipt of the order referred to in sub-rule (1), the Commissioner may authorise any officer subordinate to him and not below the rank of an Assistant Commissioner of Central Excise to take steps to attach such property of the applicant.

(3) The officer authorised under sub-rule (2) shall prepare an inventory of the property attached and specify in it, in the case of the immovable property the description of such property sufficient to identify it and in case of the movable property, the place where such property is lodged or kept and shall hand over a copy of the same to the applicant or to the person from whose charge the property is attached.

(4) The officer authorised under sub-rule (2) shall send a copy of the inventory so prepared each to the Commissioner of Central Excise and the Settlement Commission.

6. Fee for Copies of reports. - Any person who makes an application under section 32J, for obtaining copies of reports made by any Central Excise Officer, shall pay a fee of five rupees per page of each report or part thereof.

[F. No. 275/59/2006-CX8A-Pt.]

VIJAY KAUSHIK, Under Secy.

Form No. SC (E)-1

[See rule 3 of the Central Excise (Settlement of Cases) Rules, 2007]

Before the Customs and Central Excise Settlement Commission
Bench at _____

Form of application for settlement of a case under section 32E

1.	Full name of the applicant:
2.	(i) Postal address of the applicant (ii) E- mail address of the applicant, if any

3.	(i) Address for communication: (ii) Telephone No.
4.	(i) Permanent Account No: (ii) Central Excise registration No: (iii) Status: (See note 2)
5.	(i) Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the applicant: (ii) Postal address of the Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the applicant:
6.	Details of Show Cause Notice issued to the applicant (a) Show Cause Notice No and date (b) Period of dispute in the notice (c) Duty demanded in the notice (in Rs.) (d) Dispute in connection with which the application for settlement is made. (e) Adjudicating authority before whom the notice is pending adjudication.
7.	(i) Whether monthly returns showing production, clearance and central excise duty paid were filed for the period of dispute: (ii) Whether the disputed goods were entered in the daily stock register. If so, details thereof. Note: Self-attested copies of relevant monthly returns and the daily stock account/register to be enclosed.
8.	Date of seizure, if any.
9.	Brief facts of the case and particulars of the issues to be settled:
10.	(a) Amount of duty accepted as payable for settlement (in Rs) (b) Interest on the said admitted duty (in Rs.)
11.	Payment details of the duty accepted, by the applicant along with interest as at (10) above (TR-6 challan No and date)
12.	Whether any application for settlement has been filed by the applicant before any Bench of Settlement Commission on or before 31 st May , 2007, if so, details thereof : (a) Application no and date (b) Amount admitted for settlement (c) Details of final order of the Commission (d) Whether settlement amount has been paid in terms of the order
13.	Whether any application for settlement (other than the present one) has been filed by the applicant before any Bench of Settlement Commission on or after 1 st June , 2007. If yes, the following information may be provided : (a) Application No. and date (b) Show cause notice No. and date (c) Amount of admitted duty (d) Issue involved (e) Status of the application, if decided, then (i) Settlement order No. and date (ii) Details of deposit of settlement amount
14.	If any other application, filed by the applicant, on or after 1 st June , 2007, is pending before the Settlement Commission, then whether the present application for settlement involves issue identical to the issue in respect of which the other application is pending before the Settlement Commission as on date.

Signature of the applicant

256065/07-5

Verification

I.....son/daughter/wife of residing at.....
do solemnly declare that I am making this application in my capacity
as.....and I am competent to verify it.

That the contents of this application are true and that I have not filed any application for settlement in contravention of the provisions of the Chapter V of the Central Excise Act 1944 before the Settlement Commission and also that no information relevant to the facts of the case has been suppressed. Annexures of the documents accompanying the application are true copies of the originals and the tables showing financial transaction are correct and are duly attested by me.

That no proceeding in respect of the case for which settlement is being sought, is pending before Commissioner (Appeal), Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal or the courts, as the case may be, or has been remanded back to the adjudicating authority by the said appellate authorities.

Verified today the.....day of.....(mention the month and year) at
.....(mention the place)

Deponent

Note:

1. The application fee should be credited in a branch of the authorized bank or a branch of the State Bank of India or a branch of Reserve Bank of India and the triplicate copy of the challan sent to the Settlement Commission with the application. The Settlement Commission will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
2. Please state whether individual, Hindu undivided family, company, firm, an association of persons, etc.
3. Details of the additional amount of Central Excise duty accepted as payable and interest thereon referred to in item 10 of the application shall be furnished in annexure to this application.
4. Original copy of the of the TR-6 challan indicating amount of duty accepted as payable for settlement and interest thereon referred to in item 10 be retained by the applicant, duplicate be endorsed to Central Excise Officer having jurisdiction over the applicant, triplicate be endorsed to the jurisdictional Chief Accounts Officer of the Central Excise Commissionerate, quadruplicate be retained by the bank and quintuplicate copy be enclosed with this application form.

Annexure

Statement containing particulars, referred to in item 9 of the application made under section 32E(1).

1. Details of information which has not been correctly declared in the monthly return;
2. Duty liability accepted out of the total duty demanded in the show cause notice issued and the manner in which such duty liability has been derived;
3. Full and true disclosure of the facts regarding the issues to be settled including the terms of settlement sought for by the applicant.

Signature of the applicant

Place

Date: